ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

इंदिरा गोस्वामी का साहित्य मानवीय मूल्यों का संवाहक- से. रा. यात्री

ज्ञानपीठ विजेता असमिया लेखिका इंदिरा गोस्वामी को हिंदी विवि में श्रध्दांजलि

वर्धा दि. 5 दिसंबर 2011 : ज्ञानपीठ विजेता प्रख्यात असमिया लेखिका इंदिरा गोस्वामी अत्यंत मेधावी लेखिका थी। वह असमिया में लिखती थी परंतु ऐसा लगता था कि वह हिंदी की ही लेखिका थी। उनका साहित्य मानवता के मूल्यों का संवहन करता है। इन शब्दों में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अतिथि लेखक साहित्यकार से. रा. यात्री ने इंदिरा गोस्वामी के निधन पर विवि के गांधी हिल्स पर आयोजित श्रध्दांजलि सभा में अपनी भावनाएं प्रकट की। इंदिरा गोस्वामी के प्रति श्रध्दासुमन अर्पित करते हुए यात्री ने कहा कि साहित्य क्षेत्र में इंदिरा एक मिसाल तो थी ही परंतु उन्होंने उल्फा और भारत सरकार के साथ जो सफलतापूर्वक मध्यस्थता की वह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण पहल थी।

इंदिरा गोस्वामी को श्रध्दांजलि अर्पित करते हुए प्रो. राम शरण जोशी ने कहा कि उनका का साहित्य और व्यक्तित्व अत्यंत संमोहक था। उनके निधन से साहित्य जगत की क्षति हुई है। विवि के शोधार्थी ज्योतिष पायेंग ने इंदिरा गोस्वामी के जीवन और कार्य का परिचय देते हुए उनसे जुड़े संस्मरणों को याद किया। कार्यक्रम का संचालन अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर राकेश मिश्र ने किया। सभा में दो मिनट का मौन रखकर इंदिरा गोस्वामी को श्रध्दांजलि अर्पित की गयी।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी